



म्यांमार की एक गुफा में भगवान बुद्ध की 9000 मूर्तियाँ हैं। इनमें से कुछ तो सैकड़ों साल पुरानी हैं। असल में यहाँ भक्तों ने भगवान बुद्ध को प्रसन करने के लिए मूर्तियाँ रखी हैं। पिंडाया क्षेत्र अपनी लाइम स्टोन गुफाओं के लिए विख्यात है। इन्हीं में से एक है उपरोक्त श्वे यु मिन केव (गोल्डन केव)। मूर्तियों में कोई एल्बेस्टर (सिलखडी) से बनी हैं, कोई सागवान की लकड़ी या मार्बल से, कोई पत्थर या सीमेंट से तो कोई काँसे से। गुफा के दरवाजे पर हैं श्वे यु मिन पैगोडा। इस मठ के प्रार्थना कक्ष, अर्थात् ताजोंगा का निर्माण बौद्ध संत यू खान्ती ने किया था, जिसने मेंडले हिल में भी कई धार्मिक स्मारक बनाए हैं। गुफा में भगवान बुद्ध की दो मूर्तियाँ ऐसी हैं जिनसे पसीना निकलता है। स्थानीय लोगों के अनुसार किसी कारण से सिर्फ इन दो मूर्तियों पर ही पानी नजर आता है, और श्रद्धालुओं में इनका पसीना पोछने की होड़ लगी रहती है। गुफा के 490 फुट लम्बे पैदल मार्ग के अंत में एक साइज पोस्ट के नीचे से लोग काली मिट्टी ले जाते हैं, यह जगह है ब्लैक क्ले हिलॉक। पिंडाया क्षेत्र की यही जगह ऐसी है जहाँ की मिट्टी काली है। लोग इसे पवित्र मानते हैं और इसका इस्तेमाल बुरी आत्माओं को भगाने के लिए करते हैं। गुफा में, छत से पानी टपकने के कारण चूने के कई स्तंभ, स्टलैंगमाइट, बन गए हैं, जिन पर प्रहार करने से घंटे की ध्वनि निकलती है। पिंडाया गुफा के नामकरण की कहानी भी बड़ी रोचक है। कहते हैं एक बार सात राजकुमारियाँ इस गुफा में आराम कर रही थीं कि तभी एक दैत्याकार मकड़ी ने दरवाजे को जाल से ढक दिया। राजकुमारियाँ मदद के लिए चिल्ला ने लगीं तो उनकी आवाज वहाँ पास ही मौजूद एक राजकुमार ने सुन ली। इनमें से सबसे बड़ी व बुद्धिमान राजकुमारी ने कहा कि अगर राजकुमार ने उनकी मदद की तो सबसे छोटी व सबसे सुंदर राजकुमारी का विवाह उससे कर देंगे। राजकुमार ने तौर चलाकर मकड़ी को मार दिया, फिर वह चिल्लाया "पिंगु-या", अर्थात् मकड़ी मर गई। गौरतलब है कि म्यांमार में मकड़ी को पिंगु कहते हैं। इस कारण ही गुफा का नाम पिंगुया पड़ गया, बाद में इसे ही पिंडाया कहा जाने लगा।

## मोदी सरकार के नये भारत के लोकतंत्र का नमूना: उमर अब्दुल्ला

### उमर अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि, संसद सत्र के पहले ही दिन बिना चर्चा के कृषि कानूनों की वापसी को हर कोई एक "नमूना" ही

श्रीनगर, 29 नवंबर (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कृषि कानून वापस लेने के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर हमला बोला है और कहा है कि संसद में बिना चर्चा कराये कृषि कानूनों को वापस लेने 'नये भारत के नये लोकतंत्र का नमूना' है। उल्लेखनीय है कि 25 दिनों तक चलने वाले संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा में बिना चर्चा कराए तीनों कृषि कानूनों को रद्द कर दिया गया। उमर ने कहा कि, संसद सत्र जारी

रहने के दौरान लोकसभा में बिना चर्चा कराये कृषि कानूनों को रद्द किया जाना 'नये भारत के नये लोकतंत्र का नमूना' है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, बिना चर्चा के प्रस्ताव पास तथा बिना चर्चा के

उसे डर लगता है। गांधी ने यहां संसद भवन में संवाददाताओं से कहा कि वह जानना चाहते हैं कि सरकार ने जब कृषि संबंधी तीनों कानून वापस लिये तो इन पर चर्चा जानते हैं कि सरकार ने किसानों की ताकत के सामने झुककर कृषि संबंधी तीनों कानून वापस लेने का फैसला लिया है लेकिन उनकी पार्टी इस मुद्दे पर चर्चा करना चाहती थी ताकि यह भी पता चलता कि इस कानून को लाने के पीछे कौन सी ताकत थी। वे तीन, चार पूंजीपति कौन हैं जो इन कानूनों के माध्यम से किसान की मेहनत पर हाथ मारने के लिए इस कानून के पीछे सखी से खड़ी थी। गांधी ने कहा कि इन कानूनों को वापस लेने की घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों से माफी मांगी थी। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री का लोगों से माफी मांगने से स्पष्ट है कि उन्होंने गलती मान ली है कि सात सौ किसानों की मौत के लिए वही जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि मोदी अपनी गलती स्वीकार कर रहे हैं इसलिए उन्हें अब किसानों को मुआवजा देना चाहिए।

■ **उमर अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि, अभी 25 दिन सत्र और चलेगा तो फिर सरकार को इतनी जल्दबाजी किस बात की थी।**

■ **राहुल गांधी ने भी कहा है कि, केन्द्र सरकार को संसद में चर्चा कराये जाने से डर लगता है, कहीं उनकी पोल-पट्टी ना खुल जाये।**

कानून रहा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कृषि संबंधी तीनों कानूनों को सरकार द्वारा संसद में वापस लेने को किसान और मजदूरों की जीत बताया है लेकिन कहा कि चर्चा कराए ये तीनों कानून वापस लेकर सरकार ने यह साफ कर दिया है कि संसद में चर्चा से

कराने से उसे किस बात का डर है। उनका कहना था कि सरकार जानती है कि उसने गलत काम किया है, इसलिए वह इस कानून को लेकर संसद में चर्चा कराने से भयभीत थी और उसने चर्चा नहीं कराने का रास्ता चुनकर इन कानूनों को वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि वह

## ट्विटर के सी.ई.ओ.जैक डॉर्सी ने अपना पद छोड़ने का ऐलान किया

न्यूयॉर्क, 29 नवम्बर ट्विटर के चीफ एगिजक्यूटिव ऑफिसर (सी.ई.ओ.) जैक डॉर्सी ने अपना पद छोड़ने का ऐलान कर दिया है। डॉर्सी के बाद अब पराग अग्रवाल को ट्विटर को नया सी.ई.ओ. नियुक्त किया गया है। डॉर्सी ने कंपनी के कर्मचारियों को लिखे एक पत्र में कहा है कि, कंपनी को-फाउंडर और सी.ई.ओ. तक की भूमिका निभाने के बाद लगभग 16 साल के बाद मैंने फैसला किया है कि आखिरकार मेरे लिए जाने का समय आ गया है। ट्विटर ने सोमवार को घोषणा की कि कंपनी के मुख्य तकनीकी अधिकारी पराग अग्रवाल जैक डॉर्सी की जगह लेंगे।

■ **ट्विटर ने पराग अग्रवाल को कंपनी का नया सी.ई.ओ. नियुक्त किया है।**

सोशल मीडिया कंपनी ने बयान में कहा कि निदेशक मंडल ने सर्वसम्मति से पराग अग्रवाल को सी.ई.ओ. और बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दे दी है। पराग अग्रवाल पिछले एक दशक से ट्विटर से जुड़े हुए हैं। एक विशेष सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में ट्विटर जॉइन किया था और फिर चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर बने। ट्विटर

से पहले पराग अग्रवाल माइक्रोसॉफ्ट, याहू और ए.टी. एंड टी. लैब्स के साथ काम कर चुके हैं।

■ **राजस्थान का...**

से पहले पराग अग्रवाल माइक्रोसॉफ्ट, याहू और ए.टी. एंड टी. लैब्स के साथ काम कर चुके हैं।

## गहलोत सरकार सुन नहीं रही इसलिए प्रियंका गांधी से मिलने यू.पी.पहुंचे राजस्थान के बेरोजगार युवा

### राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के अध्यक्ष उपेन यादव ने कहा कि, हमने लखनऊ में कांग्रेस कार्यालय के बाहर भूख हड़ताल शुरू कर दी है

लखनऊ/नई दिल्ली, 29 नवम्बर राजस्थान की राजधानी जयपुर के शहीद स्मारक पर कई दिनों से हड़ताल, शर्टलैस आंदोलन, मंत्रियों को गुलाब भेंट करने और भूख हड़ताल पर जाने के बाद अब राजस्थान के बेरोजगार युवाओं ने लखनऊ में कांग्रेस कार्यालय के बाहर धरना शुरू कर दिया है। यह युवक कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी से मुलाकात की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि, राजस्थान की गहलोत सरकार उनकी नहीं सुन रही है। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ (आर.बी.ई.एम.) के बैनर तले आयोजित इस धरना का उद्देश्य राजस्थान में अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर बेरोजगारों की मांगों को पूरा कराना है। इनकी प्रमुख मांग सरकारी नौकरियों में नियुक्ति है। इसके लिए भर्ती परीक्षाएं पहले ही आयोजित की जा चुकी हैं। राज्य सरकार की नौकरियों के लिए रिक्तियों की संख्या में वृद्धि और प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्न पत्र लौक करने वालों के

खिलाफ गैर-जमानती कानून तैयार करने की भी मांग कर रहे हैं। धरने में शामिल होने पहुंचे आर.बी.ई.एम. के अध्यक्ष उपेन यादव ने कहा कि, हमने लखनऊ में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के बाहर धरने के बाद अब भूख हड़ताल शुरू कर दी है। हम पिछले 47 दिनों से जयपुर में धरना

दिया था, लेकिन हमसे किए गए वादे पूरे नहीं किए गए। इससे पहले आरबीईएम ने कहा था कि वह प्रियंका गांधी समेत अपने नेताओं की रैलियों में उत्तर प्रदेश चुनाव में कांग्रेस का विरोध करेगा। उपेन यादव ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है। इसके बावजूद वे बेरोजगार

मुख्यमंत्री गहलोत के नवनियुक्त सलाहकार विधायक दानिश अबरार 23 नवंबर को प्रदर्शनकारियों के पास पहुंचे और बातचीत की। हालांकि, सहमत नहीं बनने पर प्रदर्शनकारी 26 नवंबर को उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हो गए और लखनऊ पहुंचकर उन्होंने यू.पी. कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर उनके साथ बदसलूकी करने का भी आरोप लगाया।

### सैन्ट्रल विस्टा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) ने कहा कि यदि राज्यों ने प्रदूषण कम करने के लिए केन्द्र के एयर क्वालिटी कमीशन के दिशा-निर्देशों को पूर्णतया लागू नहीं किया तो उसे एक टास्क फोर्स के गठन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। सी.जे.आई. ने मौखिक टिप्पणी की कि "यदि राज्य कार्रवाई करने में असमर्थ हैं तो हमें एक स्वतंत्र टास्क फोर्स के गठन को बाध्य होना पड़ेगा। बेंच, जिसमें जस्टिस डी.वाय. चन्द्रचूड़ और जस्टिस सुयंकांत भी शामिल थे, ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब को भी निर्देश दिए कि वे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण को नियंत्रित करने के आदेश को अनुपालना के लिए शपथ-पत्र पेश करें। बेंच ने कहा कि "हम प्रत्येक राज्य से यह पूछेंगे कि उन्होंने दिशा निर्देशों पर क्या क्रियाचिन्ती की है, अन्यथा हमें एक स्वतंत्र टास्क फोर्स के गठन को बाध्य होना पड़ेगा। उन पर क्रियाचिन्ती करनी ही होगी। यदि ऐसा नहीं हुआ तो टास्क फोर्स का गठन ही एकमात्र रास्ता है। बेंच ने टिप्पणी की कि "शीर्ष अदालत ने इस पर जोर दिया था कि निर्देश जारी किए जा चुके हैं और प्रशासन को उम्मीद थी कि सब कुछ अच्छा होगा, लेकिन हकीकत में इसका रिजल्ट ज़ीरो है।"

## कैप्टन अमरिंदर सिंह की सांसद पत्नी परनीत कौर भी कांग्रेस छोड़ेंगी

### सांसद परनीत कौर ने अपने ट्विटर अकाउंट की डी.पी. से कांग्रेस शब्द हटाया

चंडीगढ़, 29 नवम्बर पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी और सांसद परनीत कौर ने कांग्रेस छोड़ सकती हैं। परनीत कौर ने अपने पति कैप्टन अमरिंदर सिंह की नवगठित पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस ज्वाइन करने के संकेत दिए हैं। उन्होंने अपन ट्विटर अकाउंट की डिसेप्स पिक्चर (डोपी) से कांग्रेस शब्द हटाते हुए कैप्टन फॉर 2022 लिख दिया है। परनीत कौर द्वारा ऐसा करना एक तरह पंजाब कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी द्वारा उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने का इनडायरेक्ट तरीके से जवाब देना भी माना जा रहा है।

पंजाब कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी ने पिछले दिनों परनीत कौर को नोटिस जारी कर सात दिनों में जवाब देने को कहा था। हरीश चौधरी ने परनीत कौर पर कांग्रेस विरोधी गतिविधियों का आरोप लगाया था। बता दें कि कैप्टन अमरिंदर सिंह के कांग्रेस से

इस्तीफा देने के बाद भी परनीत कौर ने चुप्पी साध रखी थी और कांग्रेस में बने रहने या फिर इसे छोड़ने को लेकर अब तक कुछ नहीं कहा है। इस दौरान वह पटियाला के पार्श्वों की बैठक से लेकर

## 59 लोगों की मौत

■ **सोमवार को वर्षा जनि्त हादसों में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 48 लोगों की मौत पहले ही हो चुकी है।**

रुपये की राशि सहायता के तौर पर दी गयी है। जानकारी के अनुसार, राज्यभर में अभी तक 5600 मुर्गों और 209 मवेशियों की मौत हुयी है और 1074 झोपड़ियां और 189 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गये और 65 झोपड़ियां पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयीं। उन्होंने कहा कि 2783 मवेशियों की मौत के लिये मुआवजे के रूप में 2.84 करोड़ रुपये दिये गये है और 24810 क्षतिग्रस्त झोपड़ियों के लिये 10.17

### राष्ट्रपति की सुरक्षा में तैनात 7 पुलिसकर्मी कोरोना पॉजिटिव

देहरादून, 29 नवम्बर (वार्ता)। उत्तराखंड के दो दिवसीय भ्रमण पर आए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की सुरक्षा व्यवस्था में नियुक्त राज्य पुलिस के गढ़वाल परिक्षेत्र के सात कर्मिकों में कोरोना संक्रमण होने की पुष्टि होने के बाद उन्हें क्वारंटीन कर दिया गया है। इससे एक दिन पहले सेना के तीन जवानों में भी कोरोना का संक्रमण मिला था। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति के ऋषिकेश गंगा तट पर आरती और उनके वही रात्रि विश्राम के कारण गढ़वाल परिक्षेत्र के विभिन्न जनपदों से पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। इसिलिये 250 कर्मिकों का कोविड-19 का परीक्षण किया गया। इनमें से सात के कोरोना संक्रमित होने की रिपोर्ट रविवार को मिली।

### दोनों सदनों ने पांच ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) सितम्बर 2020 में बने तीन विवादास्पद कानूनों को वापस लेने के लिये पेश किया गया था। लोकसभा अपराध 2 बजे पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। यह विधेयक लोकसभा में पूर्वाह्न काल में ही पारित हो गया था तथा इसी प्रकार से राज्यसभा में यह अपराध काल में पारित हो गया। कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह ने विधेयक पेश करते हुये कहा कि इस विधेयक पर चर्चा की कोई जरूरत ही नहीं है क्योंकि सत्तारूढ़ दल तथा विपक्षी दल- दोनों ही पक्ष कृषि कानूनों को वापस लिये जाने से सहमत हैं। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन के दौरान मरने वाले 700 किसानों का मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार का मखौल उड़ाते हुये कहा कि उसे इन कानूनों को वापस लेने की अक्ल सवा साल बाद, अब जाकर आई है और भी इसलिये कि उसने

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, अर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधामा एन.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स: 0141-2373513, कोटा कार्यालय: पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स: 0744-2386033, बीकानेर कार्यालय: कुम्भाना हाउस, हनुमान हाउस, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आल्ह मैन रोड आल्ह, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स: 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: सूचरा घाटी, जयपुर रोड, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665, जालौर कार्यालय: -/ जी 1/63, इन्दस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालौर। फोन:226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

